बंसी बरसाने से लाय दूंगी

बंसी बरसाने से लाय दूंगी ,सीखलै बजायवौ।
सीखलै बजायवौ,कान्हा सीखलै बजायवौ।
बंसी बरसाने से लाय दूंगी ,सीखलै बजायवौ।

जो कान्हा तू गीत ना जाने, जो कान्हा तू गीत ना जाने।
अर-र-र अरे गीत हू तोय सिखाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।।
बंसी बरसाने से लाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।

जो कान्हा तू नाच ना जाने, जो कान्हा तू नाच ना जाने।
अर-र-र अरे नाच हू तोय सिखाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।
बंसी बरसाने से लाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।

जो कान्हा तू खेल ना जाने, जो कान्हा तू खेल ना जाने।
अर-र-र अरे खेला हू तोय सिखाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।
बंसी बरसाने से लाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।

जो कान्हा तू प्रीत ना जाने, जो कान्हा तू प्रीत ना जाने।
अर-र-र अरे प्रीता हू तोय सिखाय दूंगी, सीखलै बजायवौ।
बंसी बरसाने से लाय दूंगी, सीखलै बजायवौ.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23408/title/bansi-barsaane-se-laye-dungi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |